Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

मंजिल मंजिल क्यों भटके मन

मंजिल मंजिल क्यों भटके मन,
कोई नहीं यहाँ तेरा,
जिस पल को तू अपना समझा,
वो पल भी न तेरा ॥

जग बन्धन में क्यों उलझा तू,
कोई न आवे काम,
संगी साथी सब छूटेंगे,
अंत मिले परिणाम,
अपने मन में राम बसाले,
वो ही है तेरा सहारा ॥१॥
मंजिल मंजिल क्यों भटके मन...

माटी की तेरी काया, माटी में मिल जानी,
अंत समय कुछ काम न आवे, कुछ तो समझ ओ प्राणी,
तेरे मन के अन्धियारे में, कर देगा वो उजियारा
वो ही है तेरा सहारा ॥२॥
मंजिल मंजिल क्यों भटके मन...

बीती जाऐ सगरी उमरिया, सिमरन कर ले नाम,
संकट सब मिट जाऐंगे तेरे, किरपा करें श्री राम,
जो भी उसके द्वारे आया, उसको ही पार उतारा,
वो ही है एक सहारा ॥३॥
मंजिल मंजिल क्यों भटके मन...

मेरे राम मेरे राम, सांचा है तेरा नाम ...